खबर संक्षेप

मंत्री श्रीमती उइके एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने सिद्ध बाबा टेकरी पहाड़ी पर वृक्षारोपण किया

मण्डला। एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत सिद्ध बाबा टेकरी पहाड़ी पर कैबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्रीमती संपतिया उइके एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने पौधरोपण किया। इस दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती उईके ने कदम का पौधा एवं प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने रुद्राक्ष का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान प्रफुल्ल मिश्रा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने सिंदूर के पौधों का रोपण किया। सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट ने रूद्राक्ष का पौधा लगाया। विदित है कि वन परिक्षेत्र, वन मंडल मंडला द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत शनिवार को वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीएफओ सुश्री प्रीता एस.एम., एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

उपकरण वितरण में लापरवाही बरतने के लगे आरोप

दिव्यांग बच्चों के शिविर में लापरवाही?

*** राज्य शिक्षा केन्द्र सख्त, मांगा स्पष्टीकरण।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सत्र 2024-25 में समावेशित शिक्षा के अंतर्गत एएलआईएमसीओ (ALIMCO) के सहयोग से जिले के समस्त विकासखंडों में दिव्यांग बच्चों के लिए चिकित्सकीय मूल्यांकन शिविरों का आयोजन किया गया था। इन शिविरों का उद्देश्य विकासखंड स्तर पर 100% दिव्यांग बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित कर अधिक से अधिक बच्चों को सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदाय हेतु चिन्हित करना था।

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा प्रत्येक विकासखंड के लिए 55,000/- की राशि शिविर आयोजन हेतु प्रदान की गई थी, परंतु प्राप्त जानकारी के अनुसार, कई विकासखंडों में बहुत कम संख्या में बच्चों को चिन्हित किया गया। इससे यह संदेह उत्पन्न हुआ है कि जिला शिक्षा केंद्र के अधिकारियों और एमआरसी (एमआरसी) के बीच मिलीभगत और लापरवाही से शिविरों का संचालन केवल औपचारिकता तक सीमित रह गया। इससे दिव्यांग बच्चों को होने वाले वास्तविक लाभ में कटौती हुई और शासकीय राशि का दुरुपयोग हुआ।

इस पर सख्त कार्रवाई करते हुए डॉ. आर. एस. तिवारी, नियंत्रक आईडी, राज्य शिक्षा केंद्र ने दिनांक 25 जुलाई 2025 को एपीसी (आईडी) को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि शिविरों में कम बच्चों के चिन्हांकन, व्यय की गई राशि का विवरण, तथा दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई सहित संपूर्ण स्पष्टीकरण 10 अगस्त 2025 तक डीपीसी की टिप्पणी सहित प्रस्तुत किया जाए।

डॉ. तिवारी ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।

यह मामला शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

इनका कहना है :-

जिलों में कक्षा 1 से लेकर आठवीं तक कुल शिक्षण सत्र 2024-25 में कुल जिले मे 2441 बच्चे चिन्हित थे, ब्लॉक वार कैंम्प का आयोजन बीआरसी द्वारा लगाया गया, जिसमे पर्याप्त बच्चे सभी बच्चें उपस्थित हुए और सभी बच्चों का चिंतन किया गया जो पत्र बच्चे थे उन्हें उपकरण के लिए चिन्हित किया गया कल 563 बच्चों को उपकरण को भारतीय कृतिम अंग निर्माण जबलपुर द्वारा उपकरण प्रदान किए गए शेष ऐसे बच्चे थे जिनको उपकरण की आवश्यकता नहीं थी अतः पर्याप्त चिन्हित बच्चों को ही उपकरण प्रदान करने की नियम है जिनके यूडी आईडी बने होते हैं और जो 40% से ऊपर दिब्यांगता वाले होता है जिन्हें उपकरण की आवश्यकता होती है उन्हें भी उपकरण प्रदान किया जाता है

-अरविंद विश्वकर्मा,
डीपीसी, मंडला

आवारा एवं पालतू जानवरों पर पंचायत द्वारा कड़ी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज और पड़रिया पंचायत में से कई बार लोगों ने शिकायत किया कि पालतू जानवर बाजार में एवं सब्जी मार्केट में एवं मुख्य मार्ग के सभी तरफ जानवरों का झुंड रहता है जिससे आने जाने वालों पर परेशानी का सामना करना पड़ता है एवं कई बार लोग चलती गाड़ी से जानवरों पर भीड़ जाते हैं जिससे उन्हें चोट लगती है ग्राम पंचायत पड़रिया द्वारा शनिवार 26 तारीख को नारायणगंज के मुख्य मार्ग से एवं सब्जी मार्केट से आवारा एवं पालतू जानवरों को इकट्ठा कर उन्हें पशुपालन चिकित्सा अधिकारी की मदद से गौशाला सिवनी माल माल गाड़ी में छोड़ गया करीब 12 नग आवारा एवं पालतू जानवर थे जिन पर पशुपालकों पर चालानी कार्यवाही करते हुए 4500 रूपये का चालान काटकर उन पर समझाया गया की दोबारा पालतू जानवर अगर बाजार में घूमते पाए गए तो उन पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी इस कार्यवाही में ग्राम पंचायत पड़रिया के सरपंच राजकुमार तेकाम पशु चिकित्सा अधिकारी आशीष गुप्ता पुलिस बल टीआई गोपाल घोसला एवं पंचायत के पंच एवं सचिव की उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित...........

मण्डला। ज्वालाजी वार्ड, बूढ़ीमाई वार्ड महाराजपुर एवं माहिष्मती घाट मण्डला में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती शालिनी तिवारी के निर्देशन में प्रशासक वन स्टॉप सेंटर सुश्री प्रेरणा मर्सकोले द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को पोषण सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जो कि गर्भवती और धात्री माताओं को आर्थिक सहायता प्रदान करती है से जुड़कर लाभ प्राप्त करने के बारे में विस्तार से बताया गया।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा-प्रभारी मंत्री

*** तो फिर क्यों हो रहे गुणवत्ताहीन निर्माण।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

निर्माण कार्य में गुणवत्ता हो लेकर इस तरह के निर्देश सुनने में तो काफी अच्छे लगते हैं लेकिन व्यवहार में इनका परिणाम फिलहाल विपरीत ही नजर आया है। बैठकों में गुणवत्ता की बात करना लेकिन तकनीकि अधिकारियों का अपने स्वार्थ के चलते गुणवत्ता के साथ समझौता लगातार किया जा रहा है और तो और गुणवत्ता को तो अनदेखा कर घर बैठे कागजों में ही मूल्यांकन कर दिया जाता है अब ऐसे में शासन-प्रशासन के ये जिम्मेदार लोग क्या इन तकनीकि अधिकारियों पर कोई कार्यवाही करेंगे जिन्हें शासन लाखों रूपये महीने का वेतन देती है वे यदि अतिरिक्त कमाई करने के लिये गुणवत्ता के साथ समझौता कर रहे हों और जिम्मेदार बैठकों में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा ऐसा दावा करते हों तो फिर समझा जा सकता है कि कहीं न कहीं दोनों के बीच कुछ तालमेल है जो सभी को नजर नहीं आता।

जिला योजना भवन मंडला के सभागार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता एवं केबिनेट मंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्रीमती संपतिया उइके एवं सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते की विशेष उपस्थिति में जिले के निर्माण कार्यों एवं विभिन्न विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ।

बैठक में प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल को विभागीय अधिकारियों द्वारा उनके विभाग अंतर्गत किए जा रहे निर्माण कार्यों की विस्तार से जानकारी पीपीटी प्रजेन्टेशन के माध्यम से दी गई। प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मध्यप्रदेश सड़क विकास प्राधिकरण, जल जीवन मिशन में चल रहे निर्माण कार्यों की बिन्दुवार जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ समझौता नहीं किया जायेगा। विभाग प्रमुख अपने अमले के साथ सतत रूप से इनकी मॉनिटरिंग करते रहें। निर्माण कार्यों में अनुबंध अनुसार कार्य पूर्ण करने की जो समयावधि निर्धारित की गई है उसी अवधि में कार्य पूर्ण हो इस बात का विशेष ध्यान रखें। साथ ही जिन निर्माण कार्यों में रूकावटें आ रही है, उसके निराकरण के लिए जनप्रतिनिधियों से बात कर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराएं। निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराया जाना सुनिश्चित करें। विकास कार्यों के दौरान स्कूल भवन, छात्रावास आदि तक पहुंचने वाले एप्रोच मार्ग की स्थिति भी संबंधित विभाग एवं निर्माण एजेंसी अवश्य देखें ताकि बच्चों को आवागमन में कठिनाई न हो।

समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि जिले में लगातार बारिश हो रही है, ऐसी स्थिति में पुल, पुलिया एवं सड़क पर गड्ढों की मरम्मत समय पर हो ताकि जनहानि की स्थिति नहीं बने। इसके अलावा जिन-जिन क्षेत्रों में विभागों द्वारा मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं उनकी सूची तैयार कर जनप्रतिनिधियों को प्रदान की जाए। केन्द्र सरकार द्वारा जारी प्रधानमंत्री जनमन योजना में शामिल घटकों पर चर्चा करते हुए कहा कि इस योजना से विशेष पिछड़ी जनजातीय बसाहटों में बदलाव आया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि पीएम जनमन योजना में प्रदेश की पहली आंगनवाड़ी मंडला जिले में बनाई गई है। इस पर मंत्री द्वय एवं सांसद श्री कुलस्ते द्वारा प्रशंसा व्यक्त की गई। जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में प्रगतिरत नलजल योजनाओं की विस्तार से जानकारी लेते हुए कार्यपालन यंत्री पीएचई को निर्देश दिए कि वर्षाकाल में जल स्त्रोतों जैसे हेंडपंप, नलकूप, कुओं आदि में क्लोरीनेशन का कार्य सुचारू रूप से जारी रहे। एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत जिले में वन विभाग द्वारा वृहद स्तर पर पौधारोपण किए जाने के लिए स्थान चिन्हित कर कार्ययोजना बनाएं।

नारायणगंज शहीद स्मारक में कारगिल विजय स्मृति दिवस पर शहीदों को किया गया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

कारगिल युद्ध की स्मृति में नारायणगंज में शहीदों को श्रद्धाजंलि देते हुये एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया स्थानीय शहीद स्मारक में भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं द्वारा कारगिल युद्ध में शहीद होने वाले ऐसे हमारे देश के जांबाज सैनिकों को नमन किया गया शहीद स्मारक का पूजन अर्चन कर नारे लगाए गए इस कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष रतन सिंह ठाकुर पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश सोनी संतोष सोनी मनोज मिश्रा पूर्व महामंत्री राकेश प्रकाश चंद्र अग्रवाल दीपक पदम गया चक्रवर्ती भगवान प्रसाद मिश्रा वर्तमान मंडल अध्यक्ष किशन तेकाम अभय साहू वीरेंद्र अग्रवाल अनिल मांझी प्रशांत सोनी नरेश सोनी आशीष सोनी एवं क्षेत्रीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अनदेखी | **जिम्मेदारों को नहीं है इसकी कोई परवाह, ग्रामीणजन हो रहे परेशान।**

सरेआम छीन लिया गया सरकारी हैंड पम्प

*** ग्रामीण करेंगे अब आंदोलन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सरकार एक तरफ जल स्त्रोतों को बनाने व संरक्षित करने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से धन खर्च कर रही है वहीं दूसरी ओर मुख्यालय से 35 किमी की दूरी पर नारायणगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत परतला के वार्ड क्रमांक 4 में स्थित एक शासकीय हेण्डपम्प को अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। लगभग 35 वर्ष पूर्व उक्त हेण्डपम्प का उत्खनन पीएचई विभाग द्वारा शासकीय भूमि में किया गया था। तब से इस हेण्डपम्प का पानी बारह महीने ग्रामीण उपयोग करते थे। लेकिन अब उक्त हेण्डपम्प यहां के टीकादास एवं उनकी पत्नी अमीना बाई के मकान की बाउण्ड्री के अंदर अवैध कब्जे का शिकार हो गया है जिसकी शिकायत लगातार तहसीलदार, एसपी, कलेक्टर एवं पीएचई मिनिस्टर से की जा रही है लेकिन अभी तक उक्त सार्वजनिक हेण्डपम्प को कब्जा मुक्त नहीं कराया जा सका है। बताया गया कि दिनांक 27 जून 2025 को पटवारी हल्का नंबर 80 रा.नि.मं. भावल, तहसील नारायणगंज की टीम द्वारा सडक किनारे बने अनावेदक के मकान का स्थल निरीक्षण किया गया था जिसमें पाया गया कि खसर नंबर 170 में मद रास्ता पर अतिक्रमण किया गया है इसके बाद भी हेण्डपम्प को सर्वोपयोगी नहीं बनाया जा सका, जबकि भवन निर्माण के दौरान दिनांक 23 दिसम्बरर 2024 को अनावेदक द्वारा पीएचई विभाग के उपयंत्री, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, कोटवार समेत अनेक पंचों के समक्ष लिखित शपथ पत्र दिया गया था कि हेण्डपम्प को सुरक्षित रखा जायेगा एवं इसका उपयोग हमेशा की तरह सभी लोग कर सकेंगे। लेकिन अब अनावेदक अपने वायदे से मुकर रहा है और मुर्रम पुराई के कारण हेण्डपम्प का अस्तित्व खतरे में पड गया है जिससे ग्रामीण परेशान व चिंतित हैं। इस तरह से पीएचई मंत्री के गृह जिले में एक सरकारी हेण्डपम्प को सरेआम छीन लिया गया और जिम्मेदार खामोश हैं जिससे पीडित ग्रामीण आक्रोशित हो गये हैं और अब बैठक कर आन्दोलन करने की तैयारी की जा रही है।

ब्रेन चाइल्ड अकादमी में धूमधाम से मनाया गया कारगिल विजय दिवस

*** देशभक्ति के विभिन्न आयोजनों के साथ शहीदों की वीरता को दी सलामी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ब्रेन चाइल्ड एकेडमी में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यालय के छात्रों और एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति की भावना को उजागर किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में भारत माता को 'वंदे मातरम' गीत के साथ माल्यार्पण एवं राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। कार्यक्रम में आगे बढ़ते हुए, मंच संचालन एंजेल कुकरेजा ने किया, आकृति नेती, प्रभुता दीक्षित और आनंद वर्धन शुक्ला ने एक कविता प्रस्तुत की, जबकि तनिशा सुखवानी और अलीज़ा अग्रवाल ने अपने विचार साझा किए।

कक्षा 4 के छात्रों ने सर्फरोशी की तमन्ना पर एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया, जबकि कक्षा 9 के छात्रों ने कारगिल युद्ध की कहानी पर एक नृत्य प्रस्तुत किया।

सूचना पटल को देशभक्ति के पोस्टरों, नारों और शहीदों की तस्वीरों से सजाया गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने कारगिल युद्ध और हमारे वीर सैनिकों के साहस को दर्शाने वाले पोस्टर बनाए। स्कूल के डायरेक्टर एएनओ ऑफिसर निशांत शुक्ला ने अपने संबोधन में कारगिल युद्ध के महत्व और देशभक्ति की भावना पर प्रकाश डाला। एनसीसी कैडेट्स ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए शोक शस्त्र ड्रिल की और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन 1 एमपी आर्टिलरी रेजिमेंट के कमान अधिकारी कर्नल विक्रांत त्यागी, सेना मेडल के मार्गदर्शन में एवं संचालन विद्यालय कॉर्डिनेटर राजुल सिहानी और कॉर्डिनेटर सोनिया जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्रों और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया।

खबर संक्षेप

दिन के समय शहर में भारी वाहनों की धमाचौकड़ी दे रही बडे खतरे की ओर संकेत...?

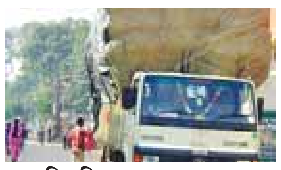

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। महॅगी कारों मे घूमने प्राशनिक अधिकारी लाख दावा करें कि शहर की यातायात व्यवस्था मे पूर्वापेक्षा सुधार हो रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि यहॉ की यातायात व्यवस्था अराजक है, जिसे पटरी पर लाने की पहले की गयी कवायद बेअसर साबित हुई है? शहर मे वाहनों की अधिकता के बावजूद जन सुरक्षा की जवाबदारी निभाने वाला विभाग अनियंत्रित गति से दिनरात धमाचौकडी करने वाली उन भारी भरकम ट्रकों पर ध्यान नही दे रहा है जो सारेआम सड़कों पर मौत का सायरन बजाकर असुरक्षा का माहौल निर्मित कर शहरवासियों को चिन्ता मे डाल रहे है। जबकि गौर किया जावे तो नगरवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये ही शहर के बाहर से वायपास मार्ग का निर्माण हुआ है। मगर इसके बाद भी बीते हुये कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि शहर की मुख्य सड़क यानि की शासकीय चिकित्सायल मार्ग से होते हुये स्टेशन की ओर जाने वाले मार्ग पर जिस तरह बेगाम गित से डम्फर दौड़ते हुये देखे जा रहे है वह निश्चित तौर से एक बड़ी घटना के लिये बुलाबा देते हुये प्रतित होने से नही चूक रहे है? क्योंकि इस मार्ग पर जहां दिन भर भीड भाड का आलम बना रहता है तो दूसरी ओर इसी मार्ग से शहर के शासकीय कार्यालयों सहित स्टेशन के लिये आने जाने वालों की भीड़ देखने मिलती है तो दूसरी ओर शासकीय चिकित्सालय के लिये भी शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में मरीज आना जाना करते है। नगर में वायपास मार्ग का निर्माण होने के बाद भी शहर के अंदर भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी चिंता का विषय बनने से नही चूक रही है? इस तरह शहर की मुख्य सडकों पर धडल्लें से दौड़ रहे भारी भरकम ट्रक चालकों की हिमाकत के सामने लगता है कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने का ढोल पीटने वाले बौने साबित हो रहे है, जिसका परिणाम है कि शहर मे आवागमन जोखिम भर होता जा रहा है? समूचें शहर मे ट्रकों का कोलाहल, तेज ध्वनियॉ गॅूजने से शहरवासियों के सब्र का बांध टूट रहा है और भारी भरकम ट्रकों का नो एंट्री टाइम निश्चित होने के बाद भी उनका नगर में प्रवेश करना पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सबाल खडे कर रहा है? ज्ञात हो कि नगर में रही तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी सुश्री रंजना पाटने द्वारा नगरवासियों की मांग को ध्यान में रखते हुये सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 4 बजे से शाम 6 बजे तक नगर में भारी वाहनों के प्रवेश पर निषेध करते हुये स्थाई नो एन्ट्री लागू करने का आदेश पारित करते हुये उसे सुचारू कर दिया गया था जिसके चलते नगर के प्रवेश द्वारा पर नो एन्ट्री संबंधी वोर्ड भी लगे हुये है, वही लोगों का कहना है कि जब जब नगर में भारी वाहनों के प्रवेश को लेकर नो एन्ट्री लागू करते हुए नगर में प्रवेश करने वाले स्थलों पर वोर्ड स्थापित करते हुए समय निश्चित कर दिया गया है, मगर इसके बाद भी नगर धडल्ले से भारी वाहनों का प्रवेश होना पुलिस प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण है?मगर प्रशासन द्वारा नगर में लागू की गई नो एन्ट्री की ओर ध्यान ही नही दिया जा रहा है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा बना हुआ है।

मानसून ने एक बार फिर पकड़ी गति, शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात हुई घनघोर बारिश के चलते चारों ओर पानी ही पानी

छोटे नाले ऊफान पर आने के चलते गांवों का शहर से टूटा संपर्क

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

कुछ दिनों की रूकावट में बाद जिस प्रकार से मानसून ने बीते हुये गुरूवार से गति पकड़ी है उसके चलते चारो ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है। मुख्य रूप से शुक्रवार शनिवार की दरम्यानी रात यानि की 12 बजे से बारिश का जिस तरह दौर शुरू हुआ वह निश्चित ही लगभग चार घंटे तक हुई घनघोर बारिश को देखकर लोग यह बात कहते हुये सुने जा रहे थें कि आज रात गाडरवारा में कही बादल तो नही फट गया है..? इस तरह रात को हुई घनघोर बारिश के चलते स्थानीय स्तर के नाले ऊफान पर होने के चलते अनेक गांवों का शहर से संपर्क टूट गया था। मुख्य रूप से गाडरवारा से कामती की ओर जाने वाले मार्ग आजाद ढावा के पास मछवाई नाले का पानी ऊपर होने के कारण कुछ घंटो तक यह मार्ग बंद रहने के चलते अनेक गांवों के स्कूली बच्चे शहर आने से बंचित होते हुये देखे गये। वही दूसरी ओर समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव महगंवा मार्ग पर बनी हुई पुलिया से पानी नही निकल पाने के कारण यहां के पावर हाऊस परिसर पानी से भर गया जिसके चलते बिजली सप्लाई बंद करना पड़ी तो दूसरी ओर यहां पर रहने वाले लोगों के घरों में भी रात के समय नाले का पानी भरने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा गया। ज्ञात हो कि इसी प्रकार की स्थिति बीते हुये 15 दिन पहले भी निर्मित हुई थी। बताया जाता है कि यहां पर सड़क का निर्माण होने के दौरान बनाई गई पुलिया की उचाई जमीन से अधिक किये जाने के कारण बारिश के दौरान पानी नही निकल पाने के कारण लोगों के घरों व पास में बने हुये पावर हाऊस के परिसर को अपने आगोश में लेने से नही चूकता है। इस प्रकार बीते हुये दिनों हुई बारिश के दौरान निर्मित हुई स्थिति को लेकर जब ग्रामवासियों द्वारा अपना विरोध प्रदर्शन किया गया था तो मौके पर पहुंचे हुये अधिकारियों द्वारा समझाईश देते हुये कहा था कि शीघ्र ही इस पुलिया का निराकरण करा दिया जावेगा। इस स्थिति में कुछ दिवस पहले वहां पर पुलिया भी पहुंचा दी गई है। मगर बारिश पर ब्रेक लगने के दौरान संबंधित विभाग सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज कर दिया गया जिसका परिणाम मानसून द्वारा पुनः गति पकड़ने के दौरान फिर ग्रामीणों को परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इस तरह जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता का परिणाम जिस प्रकार से ग्रामवासियों को भोगते हुये देखा जा रहा है उससे ग्रामीणों में फिर आक्रोश फैलने से नही चूक रहा है..? वही दूसरी ओर प्रशासन की कार्य प्रणाली इस तरह देखने मिल रही है कि जब तक किसी समस्या को लेकर उग्र आंदोलन की ओर कदम नही बढ़ाते है तब तक उस समस्या का समाधान नही किया जाता है...? क्योंकि बीते हुये दिनों ग्राम कान्हरगांव में निर्मित हुई स्थिति को लेकर जिस तरह अधिकारियों के उग्र रूप को देखते हुये भरोसा दिया गया था ओर बारिश पर ब्रेक लगने के बाद अनुमान लग रहा था कि समस्या का निराकरण किया जावेगा। मगर इसके बाद भी अधिकारियों द्वारा की गई अनदेखी ग्रामीणों को आक्रोशित करने के लिये मजबूर करने जैसे प्रतीत होने से नही चूक रहे है..? इस तरह कुछ दिनों के रूकावट के उपरांत मानसून से एक बार फिर गति पकड़ लेने से जहां खेतों में पानी भरने के कारण वह तालाब के स्वरूप में दिखाते देते हुये जान पड़ रहे है तो दूसरी ओर कच्चे मकानों में निवास करने वाले परिवारों को चिंता में डाल दिया गया है। इस तरह बीते हुये दो दिनों से हो रही लगातार बारिश के चलते बरगी बांध के गेट खुलने की सूचना भी जाहित होने से नर्मदा जी का जल स्तर बढ़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...? इस तरह शुक्रवार शनिवार की दरम्यानी रात हुई घनघोर बारिश के चलते गाडरवारा तहसील क्षेत्र में शुक्रवार के सुबह 8 बजे से शनिवार की सुबह 8 बजे तक 144 मिमी वर्षा का रिकार्ड दर्ज किया गया है जो गाडरवारा क्षेत्र के लिये इस दशक का सबसे बड़ा रिकार्ड बताया जा रहा है। शनिवार की सुबह से बारिश में ब्रेक लगा हुआ था। मगर शाम 7 बजे से फिर बारिश ने अपनी गति पकड़ी गई जो समाचार लिखे जाने तक बारिश का दौर जारी था।

हरियाली तीज की रौनक में मग्न हुये सोफिया स्कूल के बच्चे, संस्था में मनाया गया ग्रीन डे

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

निश्चित तौर से हरियाली व्यक्ति की जिन्दगी में कितना महत्व पूर्ण स्थान रखती है। इस सच्चाई से अवगत कराने के लिये शिक्षण संस्थाओं में बच्चों के बीच इस तरह के ज्ञान वर्धक आयोजन कराये जाते है जिससे बच्चों में हमारी प्रकृति के प्रति जागरूकता का संचार पैदा करती है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये हरियाली तीज के अवसर पर नगर की जानी माने अंग्रेजी माध्यम की शिक्षण संस्था सोफिया कॉन्वेंट हाई स्कूल द्वारा ग्रीन डे का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था के नन्हें मुन्ने बच्चे ग्रीन कलर के सुन्दर सुन्दर वस्त्र पेड़ व फल की तरह वस्त्र यानि की स्कूली ड्रेस तथा उनके लंच वाक्स में भी हरे ही रंग का पोषण अहार लेकर आये हुये थें। इस दौरान बच्चों ने शानदार हरियाली के बीच शानदार प्रस्तुति दी गई। वही दूसरी बच्चों ने अपनी ड्रेस में अंगूर, तरबूज सहित अन्य फलों के कट आऊट तैयार किये गये थें। इस दौरान स्कूल की शिक्षिकाओं द्वारा जहां बच्चों को पर्यावरण के महत्व व उसके संरक्षण से अवगत कराते हुये जरूरी जानकारी दी गई। वही संस्था के संचालक रमाकांत कौरव द्वारा बच्चों को पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये पौधा रोपण के लिये जागरूक किया गया। वही कार्यक्रम का संचालन हेमलता भार्गव द्वारा किया गया तो दूसरी ओर इसमें अहिम भूमिका शिक्षिकाओं की अहिम भूमिका देखने मिली। इस तरह हरियाली महोत्सव के दौरान जिस तरह शिक्षण संस्था को हरियाली की चुनरी पहनाई गई थी वह बच्चों के लिये आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूका।

नगर के ग्लोबल पब्लिक स्कूल में पुलिस द्वारा आयोजित किया गया नशे से दूरी है जरूरी कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इन दिनों पुलिस मुख्यालय से जारी हुये आदेश के चलते संपूर्ण जिले में पुलिस द्वारा नशा मुक्त अभियान नशे से दूरी है जरूरी के तहत कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी के चलते बीते हुये दिवस सालीचौका पुलिस चौकी प्रभारी वर्षा धाकड़ द्वारा नगर के ग्लोवल पब्लिक स्कूल मे बच्चों को नशे से दूरी है जरुरी अभियान के अंतर्गत स्कूली बच्चों के बीच पोस्टर मेकिंग व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन करते हुये नशे के दुश्परिणामों से अवगत कराया गया। वही आयोजित की गई इस पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता में स्कूल बच्चों ने भाग लिया जिसमें प्रतिभागी बच्चों की संख्या 73 रही है....। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियो के मार्गदर्शन मे हर कक्षा से प्रथम द्वतीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने बाले छात्र छात्रा को पुरूस्कृत किया जावेगा।

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यो की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है। मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और यदि बीते हुये पंचायती राज में सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठ रही रही हैं? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का अनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो

जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो द्वारा पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है? दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने का अधिकार था और बाद में सरकार द्वारा उसमें बढ़ोत्तरी करते हुये डबल करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है। भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाडू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो,परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यो की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है?

पांडे की सांख्यिकी मंत्रालय में कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के रूप में हुई नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका

निश्चित ही ग्रामीण व कस्बा स्तर पर रहने वाले किसी युवा को जब अच्छे विभाग में पहुंचने की क्षेत्रवासियों को जानकारी मिलती है तो वह संपूर्ण क्षेत्रवासी खुशियों से फूले नही समाते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई सालीचौका में श्रीनाथ पांडे की नियुक्ति को देखते हुये जान पड़ रहा है। बताया जाता है कि हाल में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा संयुक्त हिंदी अनुवादक परीक्षा 2024 का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें सालीचौका निवासी श्रीनाथ पांडे का चयन सांख्यिकी मंत्रालय में कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी में हुआ है, जो कि भारत सरकार में ग्रुप बी की पोस्ट का बताया जाता है। श्रीनाथ पांडे ने इस परीक्षा में पूरे देश में 202 वां स्थान हासिल कर क्षेत्र गौरव बढ़ाया है। ज्ञात हो कि पांडे ने अपनी शुरूआती स्कूली शिक्षा सालीचौका के नालंदा विद्यापीठ से पूरी करने के बाद गाडरवाड़ा के पीजी कालेज से वाणिज्य में स्नातक किया। तत्पश्चात उन्होंने बरकतउल्लाह विश्विद्यालय से दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के तहत हिंदी साहित्य में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा करने के साथ ही रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में जुट गया था। इस तरह अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिये की गई मेहनत का परिणाम है कि पांडे ने सालीचौका का गौरव बढ़ाया है।

पुराने बस स्टेन्ड के पास पुलिया के ऊपर लगने वाली दुकानें यातायात को कर रही प्रभावित

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

यह बात अलग है कि प्रशासन द्वारा नगर में हर वर्ष अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई जाती है। मगर इस मुहिम का परिणाम इस प्रकार से देखने मिला है कि प्रशासन द्वारा सिर्फ छोटे मोटे लोगों को हटाते हुए बड़े प्रभावशाली लोगों को जिस प्रकार से अभयदान दिया जाता है कि उसके चलते न तो नगर को अतिक्रमण से मुक्ति मिल पा रही है और न ही नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार देखने मिल रहा है। क्योंकि अतिक्रमण के चलते खाली होने वाली भूमि को भी प्रशासन द्वारा सुरक्षित करने में बरती जाने वाली कोताही का परिणाम है कि अतिक्रमणकारी चंद दिनों बात उस स्थल पर पुनः अपना कब्जा जमाने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के पुराना बस स्टेन्ड के पास देखने मिल रही है, जहां पर मुख्य मार्ग सहित सड़क के आसपास हुये अतिक्रमण का परिणाम है कि इस क्षेत्र में आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होने से आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है। इतना ही नही इस क्षेत्र में यदि अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ लोगों द्वारा नाली पर तक पक्का निर्माण करते हुए अपना कब्जा जमा लिया गया है, जिसके चलते बताया जाता है कि उनके पास पट्टा है। मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या नाली के ऊपर निर्माण करने के लिए पट्टा प्रदान किया जा सकता है जो जांच का विषय बना हुआ है? वही दूसरी ओर इस क्षेत्र में अनेक जगहों पर अधूरे पड़े हुये निर्माण कार्य जहां अभी आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बनते हुये देखे जा रहे है तो फिर बारिश के दिनों में क्या हाल होगा इसका अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है?

कहां गायब हो गई शासन की मजदूर महिलाओं के बच्चों को झूला उपलब्ध कराने की योजना..?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। *राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरो को सौ दिन काम देने वाली यह योजना मजदूरो के लिए परेशानी का सबब बन गई है। इस योजना के तहत हितग्रहियों को प्रशासन ने मजदूरी उपलब्ध कराने में बरती जाने वाली कोताही के चलते जहां मजदूर अपनी मेहनत की कमाई पाने के लिये भटकते हुये देखे जाते है तो दूसरी ओर शासन की योजना के तहत मजदूर महिलाओं को सुविधाओं के नाम पर सिर्फ औपचारिकता ही निभाई जा रही है? क्योंकि क्षेत्र पंचायतों मे रोजगार गारंटी योजना मे काम करने वाली महिलाओं को अपने दुध मुंहे बच्चों को लेकर काम करना पड रहा है, जिसके चलते बीते कुछ वर्ष पहले शासन ने इन महिलाओं के लिए कार्य स्थल पर झूलाघर बनाने के साथ ही अन्य सुविधाये मुहैया कराने की योजना बनाई भी थी तथा रोजगार गारंटी योजना के तहत केन्द्र शासन ने ग्रामीण क्षेत्रों के अकुशल बेरोजगार मजदूरों को सौ दिन का रोजगार देने की योजना लागू की गई है। वही बताया जाता है कि इस योजना के पात्र हितग्रहियों को कार्यस्थल पर पीने का पानी, दवाएं उपलब्ध कराने के साथ ही मजदूर महिलाओं के 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए कार्यस्थल पर ही झूला घर की सुविधा देने का प्रावधान बनाया गया है। परन्तु ग्राम पंचायतों मे जारी कार्य मे अनेको ऐसी महिलाएं भी है, जो अपने छोटे बच्चों को साथ लेकर काम पर जाती है और वह रोते बिलखते नजर आते है, शासन की योजना के बाद भी कार्य स्थल पर झूला घर नही होने से उनके बच्चे रोते बिलखते रहते है। जबकि नियमानुसार एक जगह काम करने वाली महिलाओं मे पांच छोटे बच्चे होने पर वहां झूलाघर बनाना आवश्यक है मगर इसके बाद भी अधिकारियों को ग्राम पंचायतों मे झूलाघर नही बनाए गए है न ही इसकी कोई जानकारी नही है?*

सरकारी भूमि पर कब्जा कर पट्टा प्राप्त करते हुये विक्रय करने का गोरखधंधा जोरों पर ...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय नगर में जहां तहां पड़ी हुई शासकीय भूमि पर जिस प्रकार से अतिक्रमण हो रहा है उसे देखकर यह जान पड़ने लगा है कि शायद प्रशासन द्वारा अपनी आंखे बंद करते हुए अतिक्रमण कारियों को मौन स्वीकृति प्रदान कर दी गई है जिसके चलते लोगों द्वारा खुलेआम शासकीय भूमियों पर अपनी झोपड़ी नुमा टपारियाँ बनाते हुए उन्हें चंद रूपयों में बेचकर दूसरे जगह स्थापित हो रहे है? इस संबंध में बताया जाता है कि नगर के अनेक वार्डो में जहां शासकीय भूमि पड़ी हुई है जिस कुछ बाहरी लोगों द्वारा नगर में आकर रातो रात अपनी झोपड़ी नुमा टापरियों का निर्माण कर लिया जाता है जिनमें कुछ दिनों तक वह निवास करते है और इसके बाद चंद रूपयों में अन्य दूसरे बाहरी व्यक्ति को बेचते हुए खाली पड़ी हुई अन्य शासकीय भूमि पर रातो रात कब्जा करते हुये अपनी झोपड़ी का निर्माण करने के साथ शासकीय संपत्ति को अपने कब्जे में करने से नही चूकते है? इस प्रकार की सच्चाई के चलते जहां नगर की शासकीय भूमि तो अतिक्रमण की भेंट चढ़ ही रही है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि दूसरे क्षेत्रों से आये हुए लोगों द्वारा नगर में जहां तहां झोपड़ी बनाते हुए किये जा रहे गोरखधंधे के चलते अन्य अपराध भी जन्म ले रहे है? बताया जाता है कि जब यह लोग क्षेत्र के किसी गांव या फिर दूसरे शहर से आकर यहां पर झोपड़ियों का निर्माण करते हुए उनमें निवास करने लगते है तो प्रशासन द्वारा इनकी कोई खोज खबर नही ली जाती है कि आखिर में यह लोग यहां पर कहा से आये है और क्यों आये है तथा इनके द्वारा जिस भूमि पर अपनी झोपड़ी का निर्माण किया गया है वह जगह सही मायने में है किसकी ? इस प्रकार से प्रशासन की उदासीनता के चलते जहां नगर की शासकीय भूमि अतिक्रमण में भेंट तो चढ़ ही रही है, वही दूसरी ओर इन लोगों द्वारा शासकीय भूमि को अपनी बताते हुए अपने रिस्तेदार या फिर किसी गांव के व्यक्ति को चंद रूपयों में बेचकर दूसरी जगह खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर पुनः नई झोपड़ी स्थापित कर ली जाती है, जिसके चलते देखा जावे तो नगर के पिछड़े हुए इलाकों में लगातार बाहरी लोगों की फौज बढ़ती ही चली जा रही है और प्रशासन के साथ साथ पुलिस भी बेखबर है? यदि पुलिस व प्रशासन द्वारा सयुंक्त रूप से अभियान चलाते हुए नगर में बाहरी लोगों द्वारा बनाई गई झोपड़ियों की जांच की जावे तो उनमें निवास करने वाले अनेक बाहरी लोग इस प्रकार के सामने आ सकते है जो अपने अपने क्षेत्र में अपराधों से जुडे हुए निकल सकते है? क्योंकि इस प्रकार के लोगों द्वारा झोपड़ियों का निर्माण करते हुए जब नगर में किसी अपराधिक घटना को अंजाम देते हुए गायब हो जाते है तब कही पुलिस व प्रशासन द्वारा उनकी खोज खबर की जाती है तो पता चलता है कि जिस जगह वह निवास कर रहे है उनकी झोपड़ी तो काफी समय से बंद पड़ी हुई है या फिर उनके द्वारा किसी अन्य दूसरे व्यक्ति को बेचकर गायब हो गये है।

पंचायत भवन के पास बनी हुई बगैर रैलिंग की टंकी बन सकती है बड़ी घटना का कारण

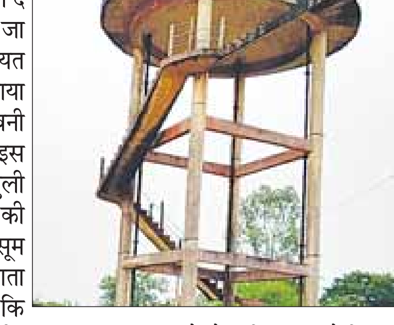

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। अक्सर देखा जाता है कि जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाती है उसके बाद प्रशासन की आंखे खुलती है तब तक निश्चित ही किसी के घर का दीपक बुझ चुका होता है, यदि प्रशासन द्वारा समय रहते ही उस सच्चाई पर ध्यान दे दिया जावे तो निश्चित ही इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम सिरसिरी में देखने मिली जहां पर बताया जाता है कि ग्राम सिरसिरी शासकीय ग्राम पंचायत भवन पास बनी हुई पानी टंकी की स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां इस टंकी के ऊपर जाने वाले सिड्ढी पर रूप से असुरक्षा के बीच खुली पड़ी हुई है। वही दूसरी ओर इन सिड्डियों पर किसी भी प्रकार की रैलिंग भी नही लगी हुई है, इस स्थिति में यहां पर आने वाले मासूम बच्चों को आये दिन इस टंकी की सिड़ियों पर चढ़ते हुये देखा जाता है, जिसके चलते यह अनुमान लगने से नही बच पा रहा है कि असुरक्षा के बीच खड़ी हुई यह पानी की टंकी किसी दिन बड़ी घटना का कारण बनने से नही चूक पायेगी? मगर प्रशासन के अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से इस सच्चाई को नजर अंदाज किया जा रहा है उससे अनुमान लग रहा है कि शायद बड़ी घटना का जन्म होने के बाद ही अधिकारियों की कुम्भकर्णी निंद्रा भंग होगी।

खबर संक्षेप

सीईओ जिला पंचायत ने किया रयपुरा मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का निरीक्षण

डिंडौरी। जिला पंचायत डिंडौरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल कुमार राठौर (भा.प्र.से.) ने रयपुरा स्थित मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री राठौर ने मत्स्य बीज (स्पॉन/फ्राई) के उत्पादन की वर्तमान स्थिति, लक्ष्य की प्राप्ति एवं वितरण प्रणाली की जानकारी ली। अधिकारियों से चर्चा करते हुए उन्होंने मत्स्य बीज उत्पादन में गुणवत्ता और समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन ग्रामीण रोजगार एवं पोषण सुरक्षा का एक मजबूत माध्यम है, इसलिए इस क्षेत्र में पारदर्शिता और दक्षता अत्यंत आवश्यक है।निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को आगामी मानसून सत्र में बीज वितरण योजना को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

उफनते पुल-पुलिया पार न करने विधायक ने की अपील

अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में लगातार तीन दिन से हो रही भारी बारिश के चलते पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र का कई स्थानो से संपर्क टूट गया है नदी नाले सभी उफान पर हैं। पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुन्देलाल सिह मार्को ने आम नागरिकों एवं जन मानस से अपील की है कि पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में लगातार 3 दिन से हो रही भारी बारिश के चलते नदी नाले सभी उफान पर हैं।उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति छात्र-छात्राएं कोई भी वाहन चालक रपटे या पुल-पुलिया पर बाढ़ का पानी हो तो पार न करें। उन्होंने कहा कि अपनी जान माल की रक्षा स्वयं करें, पानी पूरी तरह से उतर जाए उसके बाद ही अपने गंतव्य की ओर जाएं। उन्होंने कहा कि लगातार उन्हें सभी क्षेत्रों से बारिश होने की सूचनाएं मिल रही हैं।उन्होंने कहा है कि यदि आवागमन के दौरान सड़क पर या किसी पुल- पुलिया में बाढ़ का पानी तेजी से आ रहा हो तो नागरिक उसमें आने-जाने से जोखिम पूर्ण यात्रा करने से अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिया गया है कि किसी भी क्षेत्र में वर्षा के चलते नागरिकों को परेशानी न आने पाए। ऐसे नाले, रपटे, छोटे-बड़े पुल- पुलिया जहां बारिश का जल तेजी से बढ़ता है और दुर्घटना की आशंका रहती है, वहां पर भी सुरक्षा की अतिरिक्त सावधानियां बरती जाएं। वर्षा के चलते किसी भी प्रकार के जान-माल की नुकसानी न होने पाए।

नारायणी सेना मात्र शक्ति के नेतृत्व में शिवरूप रुद्राभिषेक, श्रीराम मंदिर गूंज उठा जयघोष से

शहपुरा । नगर के बाजार चौक स्थित श्रीराम जानकी मंदिर में आज नारायणी सेना मात्र शक्ति की महिलाओं द्वारा शिव आराधना का विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिवशंकर भगवान का विधिवत रुद्राभिषेक किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर भक्ति भाव से भगवान शिव का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया। पूरे मंदिर परिसर में शिव मंत्रों की गूंज और हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। नारायणी सेना मात्र शक्ति की बहनों ने बारी-बारी से पूजन कर आरती उतारी और बाद में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में धर्मिक चेतना जागृत करना तथा सामाजिक एकता और सेवा भाव को बढ़ावा देना बताया गया। आयोजन में नारायणी सेना मात्र शक्ति की सक्रिय भूमिका और अनुशासित संचालन की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का गीधा ग्राम से भव्य शुभारंभ, महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

ग्रामीण सहभागिता और सांस्कृतिक परंपराओं से सजी हरियाली यात्रा, वृक्षारोपण का दिया प्रेरक संदेश

डिंडौरी न्यूज। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् द्वारा प्रदेशव्यापी स्तर पर चलाए जा रहे नवांकुर सखी हरियाली यात्रा अभियान का शुभारंभ डिंडोरी जिले के विकासखण्ड बजाग के ग्राम गीधा से पारंपरिक और हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में किया गया। यह विशेष अभियान 24 जुलाई से 28 जुलाई 2025 तक चलेगा, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक जागरूकता, महिलाओं की भागीदारी और हरियाली को लेकर ग्रामीण स्तर पर चेतना फैलाना है।

भव्य कलश यात्रा और पारंपरिक स्वागत

कार्यक्रम का शुभारंभ नवांकुर सखियों के ग्राम में आगमन के साथ पारंपरिक पूजन कर किया गया। ग्रामीण महिलाओं ने कलश यात्रा के माध्यम से उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। यह यात्रा दुर्गा मंदिर से आरंभ होकर ग्राम की मुख्य गलियों से होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण में समाप्त हुई। यात्रा के दौरान सखियों ने गीतों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस कार्यक्रम में विकासखण्ड समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे ने नेतृत्व करते हुए जन अभियान परिषद की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में खिलावन सिंह गौतम, त्रिलोकी नाथ वनवासी, विमल रौतेल, उपसरपंच नंदकुमार, पंच प्रहलाद सिंह व अहिल्या बाई, साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता धन सिंह और नंदू सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पर्यावरणीय असंतुलन की गंभीरता को रेखांकित करते हुए अधिकाधिक वृक्षारोपण की आवश्यकता बताई।

वृक्षारोपण के लिए वितरित किए गए पौधे

कलश यात्रा के समापन के पश्चात कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित सभी नवांकुर सखियों को विभिन्न प्रजातियों के पौधे वितरित किए गए। सभी प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे न सिर्फ पौधारोपण करेंगी, बल्कि उनकी नियमित देखरेख और संरक्षण भी करेंगी।

परिषद् द्वारा आयोजित यह हरियाली यात्रा केवल प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि ग्रामीण समाज को पर्यावरणीय जागरूकता से जोड़ने का सशक्त प्रयास है। इस अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों विशेषतः महिलाओं को हरियाली, स्वच्छता और सतत विकास जैसे विषयों पर प्रेरित किया जा रहा है।यह यात्रा विकासखण्ड बजाग के अन्य ग्रामों में भी इसी रूप में आयोजित की जाएगी, जहां नवांकुर सखी समूह समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाते हुए अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण अभियान से जोड़ेंगे।

कार्यकर्ता ही पार्टी की असली पूंजीः चमरू नेताम

भाजपा की तीन मंडलों की कामकाजी बैठक संपन्न

शहपुरा। भारतीय जनता पार्टी की शहपुरा, मानिकपुर एवं महेंदवानी मंडलों की संयुक्त कामकाजी बैठक स्थानीय परिसर में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम और क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश धुर्वे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण कर की गई। जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने कहा कि भाजपा की असली पूंजी उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो बूथ स्तर तक संगठन को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद कर जमीनी स्तर की गतिविधियों और समस्याओं पर चर्चा की।विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम से ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। बैठक में जिला महामंत्री ज्ञानदीप त्रिपाठी, जय सिंह मरावी, मनोहर लाल सोनी, कमल अग्रवाल, विष्णु अवधिया, बद्रीलाल साहू, शहपुरा मंडल अध्यक्ष भजन चक्रवर्ती, मानिकपुर मंडल अध्यक्ष हीरेंद्र मरावी और महेंदवानी मंडल अध्यक्ष बर्मन सिंह मरावी सहित तीनों मंडलों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री नितिन गुप्ता ने किया।

नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा का ग्राम केवलारी में आयोजन

डिंडौरी। जन अभियान परिषद के तत्वाधान में नवांकुर योजना अंतर्गत नवांकुर सखी कार्यक्रम के अवसर पर सेक्टर बोंदर अंतर्गत आदर्श ग्राम केवलारी में मध्यप्रदेश शासन के माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मंशानुसार एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र चौहान एवं म प्र जन अभियान परिषद विकासखंड समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे जी एवं नवांकुर संस्था उपकार ग्राम विकास समिति केवलारी नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा का आयोजन किया। जिसमें सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलित, देवपूजन कर जनप्रतिनिधियों के द्वारा संपन्न हुआ तथा अतिथियों का स्वागत किया गया एवं उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामवासियों को मुख्यमंत्री जी के संदेश का आडियो, वीडियो दिखाया गया तत्पश्चात ब्लाक समन्वयक अंजू दुबे ने नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा कार्यक्रम कि विस्तृत जानकारी दी साथ ही जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र चौहान जी ने भी नवांकुर सखी हरियाली यात्रा पर महिलाओं को संबोधित किया। इसी क्रम में हरियाली यात्रा पौध कलश यात्रा का प्रारंभ ग्राम पंचायत भवन से होकर ग्राम से होते हुए पुनः ग्राम पंचायत भवन में समापन किया गया। रैली समापन के बाद नवांकुर सखियों को 11-11 पौधे दिए गए साथ ही कार्यक्रम सहभागी उपस्थित सभी साथियों को को 11-11 फलदार पौधे देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम समापन कि घोषणा एवं धन्यवाद आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच श्रीमती विनीता पेन्द्रो, पंच -सुशीला मरावी, झूलवती मरावी , आंगन बाड़ी कार्यकर्ता ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य, सखियां एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सजना है सावन में, पर बचना है नशे के बहाव में, मातृशक्ति ने दिया सामाजिक संदेश

डिंडौरी में सावन स्पेशल कार्यक्रम के जरिए दिया गया नशा मुक्ति का संदेश

डिंडौरी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, डिंडौरी के तत्वावधान में किशोरी गार्डन में नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान के अंतर्गत सावन स्पेशल सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन किया गया। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार आयोजित इस जन-जागरूकता कार्यक्रम में क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने पारंपरिक हरे परिधान में भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य उत्सव के माध्यम से समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाना था। कार्यक्रम की शुरुआत हल्दी-कुमकुम के पारंपरिक आयोजन से हुई, जिसमें हरे रंग की पारंपरिक साड़ियों में आईं महिलाओं ने सांस्कृतिक रंग बिखेरे। सबसे आकर्षक परिधान पहनने वाली महिलाओं को "सावन ग्रीन अवार्ड"से सम्मानित किया गया।

इसके पश्चात नशा मुक्ति जागरूकता सत्र में मातृशक्ति ने मंच से नशे के दुष्परिणामों पर प्रेरक विचार रखे। महिलाओं ने अपने वक्तव्यों के माध्यम से युवाओं और समाज को नशे से दूर रहने की अपील की।

कार्यक्रम में "मेरी माला तेरे गले का हार" नामक मनोरंजक पारिवारिक प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही, पारिवारिक और सांस्कृतिक खेलों के ज़रिए आपसी सौहार्द का वातावरण भी बना।

थाना-चौकी स्तर पर भी चले जागरूकता कार्यक्रमः

थाना शहपुरा के ग्राम गुरैया स्कूल में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव बताए गए और उन्हें नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।विक्रमपुर चौकी क्षेत्रमें आमजन को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा दी गई।

बिछिया गाँव में कन्या हाई स्कूल की छात्राओं और शिक्षकों को नशे से बचने के उपाय बताए गए और गाँव में जनसंपर्क कर नशा मुक्ति की समझाइश दी गई।

अमरपुर बाजार चौक पर आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रम में स्थानीय लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया।गाडासरई थाना क्षेत्र के बोंदर गाँव में बाजार आने-जाने वालों से सीधे संवाद कर नशा मुक्ति का संदेश दिया गया।इन सभी कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य समाज में नशा विरोधी सोच को बढ़ावा देना और एक स्वस्थ, सशक्त एवं नशा मुक्त वातावरण का निर्माण करना है। पुलिस विभाग द्वारा यह अभियान जनहित में सतत रूप से जारी रहेगा।

बीज, खाद और कीटनाशक बिक्री में अनियमितता पर कृषि विभाग सख्त, निरीक्षण में दर्जनों पर कार्रवाई

डिंडौरी। खरीफ सीजन 2025 के लिए बीज, खाद एवं कीटनाशकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में कृषि विभाग द्वारा सघन गुण नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिलेभर में खाद-बीज और कीटनाशकों की गुणवत्ता, बिक्री और भंडारण पर सतत निगरानी रखी जा रही है।कृषि विभाग की जिला स्तरीय टीम नियमित निरीक्षण कर रही है, ताकि कालाबाजारी और अवैध भंडारण पर सख्त अंकुश लगाया जा सके। पूर्व में चलाए गए अभियान के दौरान कुल 86 निरीक्षण किए गए थे, जिसमें अनियमितता मिलने पर 4 विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित किए गए, 2 लाइसेंस निरस्त किए गए और 39 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे।अभियान की वर्तमान स्थिति में अब तक कुल 123 संस्थानों का निरीक्षण किया गया है। इनमें 80 को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, 12 विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित किए गए, 3 के लाइसेंस निरस्त किए गए और एक प्रतिष्ठान पर एफआईआर दर्ज कराई गई है।गुण नियंत्रण निरीक्षकों द्वारा अब तक कुल 192 नमूने (बीज, खाद और कीटनाशक) संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इन नमूनों की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई जारी रहेगी। कृषि विभाग ने सभी लाइसेंसी विक्रेताओं को चेतावनी दी है कि वे नियमानुसार ही बिक्री करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता, कालाबाजारी या अवैध भंडारण की स्थिति में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।वहीं, किसानों से अपील की गई है कि वे केवल पंजीकृत विक्रेताओं से ही बीज, खाद एवं कीटनाशक क्रय करें और किसी भी गड़बड़ी की सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

अनीता मंडपम में किया गया असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण

रुद्राभिषेक के साथ भंडारे का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

दद्दा शिष्य परिवार द्वारा 26 जुलाई को जिला मुख्यालय स्थित अनीता मंडपम में असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक के साथ भंडारा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें काफी संख्या में नगर के श्रद्धालु जन प्रातः से ही पहुंच कर असंख्य पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया। दद्दा शिष्य परिवार के संरक्षक संतोष अग्रवाल एडवोकेट की उपस्थिति में कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। काफी संख्या में महिलाएं पहुंची और उन्होंने शिवलिंग का निर्माण किया। इस अवसर पर भजन मंडली द्वारा भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका सभी ने रसास्वादन किया। श्रावण माह के महत्व को देखते हुए दद्दा शिष्य परिवार द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण के तत्पश्चात महा रुद्राभिषेक का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें सभी ने भाग लिया।उसके बाद आरती एवं भोजन प्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। दद्दा शिष्य परिवार के संरक्षक संतोष अग्रवाल एड.ने बताया कि गृहस्थ संत स्वर्गीय पंडित देव प्रभाकर शास्त्री उर्फ दद्दा जी के पुत्र का तीन दिवसीय कार्यक्रम शीघ्र ही अनूपपुर के लिए बन रहा है। उनकी उपस्थिति में असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण का कार्यक्रम फिर से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे सभी धर्म प्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी लोगों की उपस्थिति में असंख्य पार्थिव शिवलिंग का निर्माण संपन्न हो सका। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन अनूपपुर में फिर से किया जाएगा जिसमें सभी से सहयोग की अपेक्षा है।

खबर संक्षेप

पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली निवासी पीड़ति द्वारा पुलिस अधीक्षक को शिकायती आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई। शिकायतकर्ता हेमराज सेन द्वारा पुलिस अधीक्षक को दी गई शिकायत में बताया गया है कि यादव कालोनी निवासी छोटू गुप्ता द्वारा फोन लगाकर जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपी द्वारा धमकी देने बाद परिवार भय में माहौल है। पुलिस अधीक्षक से शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई।

व्यक्ति को सर्प ने काटा, मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र मुंगवानी के ग्राम मुड़रई निवासी व्यक्ति को खेत मे काम करते समय सर्प ने काट लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार श्यामलाल पिता गिरानी गौड़ उम्र 35 वर्ष को सर्प ने काट लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डाक्टर द्वारा मृत घोषित कर दिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग पंचनामा तैयार शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

महिला ने खाया जहर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस महिला द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मनोवति पति दीनदयाल बारखड़े उम्र 30 वर्ष निवासी बिजौरी थाना आदेगांव जिला सिवनी द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

महिला को सर्प ने काटा, उपचार जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस महिला को सर्प ने काट लिया जिससे उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार विशाल बाई पति दर्शन यादव 65 वर्ष निवासी पालन खेत को सर्प को काट लिया जिसे उपचारी हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

युवक ने किया जहरीली वस्तु का सेवन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस युवक द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार भरत पिता हरिसिंह कुशवाहा उम्र 20 वर्ष निवासी ठेमी द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिसका उपचार जिला चिकित्सालय में जारी है।

नहीं रहे अरूण तिवारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस तेंदूखेड़ा नगर के प्रतिष्ठित तिवारी परिवार के अनिल, अशोक, अखिलेश तिवारी के भाई एवं नगर परिषद के रिटायर्ड कर्मचारी अरूण तिवारी (पप्पू महाराज) गोपाल जी मंदिर वालों का बीमारी के चलते स्वर्गवास हो गया। जिनकी अंत्येष्टि स्थानीय लाल बाबा मुक्तिधाम में की गई जहां पर समाज के सभी वर्गों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

सहायक संचालक कृषि गन्ना कार्यालय का हुआ परिवर्तन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सहायक संचालक कृषि ने बताया कि कार्यालय सहायक संचालक कृषि (गन्ना) नरसिंहपुर जनपद पंचायत नरसिंहपुर के प्रांगण में स्थित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरसिंहपुर के कृषक प्रशिक्षण भवन में संचालित था जो कि जीर्ण शीर्ण होने के कारण वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कार्यालय परियोजना संचालक (आत्मा) नरसिंहपुर पता- रेल्वे स्टेशन रोड के प्रथम तल पर की गई है।

अब तक 713 मिमी अर्थात 28.07 इंच वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर जिले में एक जून से 26 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 713 मिमी अर्थात 28.07 इंच वर्षा दर्ज की गई है। 26 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 45.2 मिमी अर्थात 1.78 इंच वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 7 मिमी, गाडरवारा में 144 मिमी, गोटेगांव में 27 मिमी, करेली में 31 मिमी और तेंदूखेड़ा में 17 मिमी वर्षा आंकी गई है। 26 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 677 मिमी, गाडरवारा में 894 मिमी, गोटेगांव में 647 मिमी, करेली में 638 मिमी और तेंदूखेड़ा में 709 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 412 मिमी अर्थात 16.23 इंच वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 401 मिमी, गाडरवारा में 463 मिमी, गोटेगांव में 521 मिमी, करेली में 278 और तेन्दूखेड़ा में 398 मिमी वर्षा हुई थी।

छात्राओं को बताए आत्म रक्षा के उपाय

नारी सुरक्षा एवं सतर्कता पर कार्यक्रम का आयोजन

गत दिवस नारी कल्याण संगठन द्वारा छात्राओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नारी कल्याण संगठन द्वारा स्वयंसेवी महिलाओं द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आत्मरक्षा, अनुशासन और आत्मविश्वास प्रेरणादायी जानकारी दी गई।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आत्मरक्षा, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती आशा नेमा के स्वागत भाषण एवं प्रेरणादायी उद्बोधन से हुआ। उन्होंने बेटियों को निडर, जागरूक एवं शिक्षित बनने का संदेश दिया।

आत्मनिर्भर बने महिलाएं

कार्यक्रम के दौरान नारी कल्याण संगठन की सचिव श्रीमती ज्योति चैहान द्वारा छात्राओं को व्यावहारिक जीवन में सुरक्षा हेतु मार्गदर्शन देते हुए बताया कि कपड़ों में सादगी, सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखें, अपनी दिनचर्या अनुशासित रखें, आत्मरक्षा हेतु ताइक्वांडो, कराते या जूडो जैसे प्रशिक्षण लें और सबसे महत्वपूर्ण, निर्णय लेने में आत्मनिर्भर बनें। वही श्रीमती साधना जायसवाल द्वारा मुख्य वक्ता श्रीमती मंजुला राव का संक्षिप्त जीवन परिचय प्रस्तुत किया गया, जिससे छात्राओं को प्रेरणा मिली कि कैसे एक नारी समाज में अपनी अलग पहचान बना सकती है। वर्तमान मे महिलाएं भी पुरूष की भांति सभी कार्यो को करने मे सक्षम है।

व्यक्तिगत चेतना है जरूरी

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता महिला सशक्तिकरण जैसे अनेक समाज सेवी एवं सुधारक कार्यक्रमों में तत्पर और सदैव सक्रिय श्रीमती मंजुला राव रहीं, जिन्होंने अपने सारगर्भित वक्तव्य में कहा कि नारी सुरक्षा सिर्फ सामाजिक विषय नहीं, बल्कि व्यक्तिगत चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी का विषय है। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी और कहा कि सतर्क नारी ही सशक्त नारी होती है। श्रीमती सोनाली धुरेलिया ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नारी को अपनी शक्ति को पहचानना होगा। आत्मसम्मान और आत्मबल ही उसकी सबसे बड़ी सुरक्षा है। इसके पश्चात मुख्य वक्ता श्रीमती मंजुला राव को संगठन की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर श्रीमती स्मृति श्रीवास्तव मैडम ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका श्रीमती शुभावना पांडेय ने अत्यंत प्रभावशाली एवं अनुशासित ढंग से किया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने पूरे उत्साह से भाग लिया और नारी सुरक्षा से जुड़े पहलुओं को गंभीरता से समझा। छात्राओं ने अपने प्रश्न रखकर अपनी उत्सुकता जाहिर की और छात्राओं ने यह संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं सतर्क रहेंगी, बल्कि समाज में नारी सम्मान और जागरूकता की अलख भी जगाएँगी। इस अवसर पर संस्था की ओर से श्रीमती ज्योति चैहान, साधना जैसवाल, अरुणा दुबे, सुनंदा भट्ट, सोनल मानसाता, प्रवीणा गोस्वामी, सुमन शर्मा,सोनाली धौरेलिया, शोभा नागपुरे, मनीषा ताम्रकार, सुधी नेमा, शिल्पा जैसवाल, हैप्पी राजपूत, सरिता गुमास्ता उपस्थित थे। यह एक जागरूकता अभियान है और ऐसा ही एक कार्यक्रम आगामी 5 अगस्त को शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला महाविद्यालय में भी किया जाएगा।

एनसीसी द्वारा कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एनसीसी 1 एम.पी. बटालियन, जबलपुर द्वारा वीर शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मौन श्रद्धांजलि से हुई, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.बी.सिंह, एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. राजेश कुमार ठाकुर एवं एन.सी.सी. कैडेट्स उपस्थित रहे। सभी ने मोमबत्तियाँ जलाकर 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को नमन किया। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. राजेश कुमार ठाकुर ने कारगिल युद्ध के इतिहास, भारतीय सेना की वीरता और युवाओं की जिम्मेदारी पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान हमें सिखाता है कि देश सर्वोपरि है, और हर युवा को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। शासन के निर्देशानुसार देशभक्ति गीत, शौर्य गाथाओं का वाचन, पोस्टर प्रदर्शन एवं क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जायेगा। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वीरता की मिसाल बने सैनिकों को याद करते हुए देश के प्रति अपने कर्तव्यों को दोहराया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में देशभक्ति और अनुशासन की भावना का विकास होता है, जो एनसीसी का मूल उद्देश्य भी है। कार्यक्रम में डॉ. मनीष अग्रवाल समन्वयक आई.क्यू.ए.सी., वीरेन्द्र कुमार झारिया ग्रंथपाल, डॉ. प्रभृति सेन स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी, एवं एन.सी.सी. कैडेटस उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। एनसीसी नरसिंहपुर द्वारा यह आयोजन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बना।

डोकरघाट में निकली गई हरियाली यात्रा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

नवांकुर सखी योजना अंतर्गत नवांकुर सखी हरियाली यात्रा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोडिया की विशेष मौजूदगी में नरसिंहपुर विकासखंड के ग्राम डोंगरगांव से शनिवार को निकली गई। यह हरियाली यात्रा मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में नवांकुर संस्था - ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति डोंगरगांव द्वारा निकली गई। इस अवसर पर रामसनेही पाठक, अध्यक्ष जिला बालकल्याण समिति नरसिंहपुर शिवकुमार रैकवार, जिला समन्वयक जनअभियान परिषद, रामजी पटेल, खुमान सिंह पटेल, नवांकुर संस्था अध्यक्ष प्रकाश पटेल, सचिव, सदस्य और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थी। जिला समन्वयक श्री शर्मा ने बताया कि यह हरियाली यात्रा मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में निकली जा रही है। शनिवार को जिले के 5 सेक्टरों में यह यात्रा निकाली गई। विकासखण्ड गोटेगांव के सेक्टर गोटेगांव के ग्राम सर्रा में नवांकुर संस्था प्राथमिक माँ नर्मदा सेवा समिति परसवाड़ा में मणिनगेन्द्र सिंह फाउंडेशन के सचिव सरदार सिंह, उपाध्यक्ष दादूराम तथा विकासखण्ड समन्वयक प्रतीक दुबे की मौजूदगी में निकाली गई। इसी तरह विकासखण्ड चीचली सेक्टर उकासघाट के ग्राम उकासघाट में केएल साहू, समन्वयक सुश्री स्मिता दांण्डे नवांकुर संस्था अध्यक्ष श्रीमती नीरू राजपूत सहित नवांकुर सखियों, विकासखण्ड साईंखेड़ा के धनोरा सेक्टर ग्राम धनोरा में और चावरपाठा के सेक्टर तेंदूखेड़ा के ग्राम काँचरकोना में हरियाली यात्रा निकाली गई। यह यात्रा 24 जुलाई से 29 जुलाई तक निकाली जा रही है।

क्षेत्र में चल रहे धार्मिक आध्यात्मिक आयोजन

तेंदूखेड़ा। पवित्र श्रावण मास के दौरान जगह-जगह विभिन्न धार्मिक आयोजन चल रहे हैं। भगवान भोलेनाथ की पूजन अर्चन आराधना में संपूर्ण क्षेत्र संलग्न बना हुआ है। तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में माह भर अखंड रामायण पाठ चल रहे हैं। तथा प्रतिदिन संगीतमय सुंदरकांड पाठों का आयोजन किया जा रहा है।नगर के प्रतिष्ठित श्री राम रसिया भक्त मंडल की प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी श्रावण मास में संगीतमय सुंदरकांड पाठ की श्रंखला चलाई जा रही है जिसमें प्रतिदिन युवा वर्ग उत्साह पूर्वक भाग ले रहे हैं। नगर में आध्यात्मिक माहौल बना हुआ है।

निकाली जा रही कांवर यात्रायें - जहां प्रतिष्ठित शिवालयों में शिवाभिषेक कार्यक्रम चल रहे हैं वहीं पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तटों से जल लेकर श्रद्धालु कांवर यात्राओं के माध्यम से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जा रहा है। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष पूर्व विधायक संजय शर्मा के द्वारा आगामी चार अगस्त को पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन ककरा घाट से विशाल कांवर यात्रा डमरु घाट तक निकाली जायेगी।ककरा घाट पर पूजन अर्चन के उपरांत पैदल कांवर यात्रा डमरु घाट तक निकाली जायेगी जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

बरगी बांध के सात गेट खुलने से बढ़ा नर्मदा का जल स्तर

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में रुक रुककर हो रही लगातार बारिश से जहां आम जनजीवन प्रभावित बना हुआ है। वहीं क्षेत्रीय नदियों के साथ नर्मदा नदी पर भी बाढ़ जैसे हालात बनें हुए हैं।हो रही लगातार बारिश से बरगी बांध के सात गेट खुलने से नर्मदा नदी का जल स्तर काफी बढ़ गया है। नर्मदा नदी के किनारे आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी आगाह कर दिया गया है।बरांझ और पांडाझिर नदी में बरसात के चलते पानी का ठिलाव देखने को मिल रहा है।

दुश्मन खतरनाक नहीं, बल्कि दुश्मनी खतरनाक होती है- जैन मुनि प्रबुद्ध सागर

गोटेगांव-। शरीर का प्रादुर्भाव होता है आत्मा का प्रादुर्भाव कभी नहीं होता । जब तक जीव के कर्म रहते हैं तब तक जन्म मरण होकर शरीर मिलता रहता है और जब जीव के कर्म समाप्त हो जाते हैं तब शरीर का मिलना बंद हो जाता है ।लेकिन अरिहंत भगवान को शरीर नहीं मिलता क्योंकि उनका ना तो मरण होगा और ना ही जन्म होगा। यह ज्ञानवर्धक धर्म प्रवचन गोटेगांव नगर में विराजमान मुनि श्री 108 प्रबुद्ध सागर जी महाराज ने अपने प्रवचनों में कहीं। नगर में 1008 श्री शांतिनाथ जिनालय के आचार्य विद्यासागर सभागार में चातुर्मास के लिए संसघ विराजमान मुनि श्री ने कहा कि संसारी प्राणी की मरने के समय चेतन चली जाती है। लेकिन अरिहंत परमेष्ठि की चेतना अंतिम समय भी जागृत रहती है। क्योंकि उनकी चेतना ज्ञानवान रहती है। जैसे ही भगवान का आयु कर्म खत्म होता है तो उनके केवल नाखून और केश बाल रहते हैं। उनका बाकी पूरा शरीर उड़ जाता है। नाखून और केश का अंतिम अग्नि संस्कार अग्नि कुमार देव करते हैं। जन्म मरण के इस चक्र को खत्म करके अरिहंत भगवान सिद्ध बन जाते हैं। मुनि श्री ने कहा कि जब तक व्यक्ति धर्म के मर्म को आत्मसात नहीं करता है । वह चाहे गुरु हो या शास्त्र हों या फिर भगवान तब तक वह धर्म नहीं समझ सकता। सभी को स्वाध्याय जागृति के साथ करना चाहिए तभी वह धर्म के मर्म को आत्मसात कर पाएंगे। इस बात का सदैव ध्यान रखना कि जैन दर्शन कभी भी किसी पर भी विश्वास या देवत्व मानने के लिए सावधान करता है। किसी भी रागी द्वेषी पर श्रद्धान नहीं करना चाहिए। पूर्ण भगवान केवल एक है, जो रागी द्वेषी नहीं है और वह है केवल जिनेंद्र भगवान । अधूरे भगवान कई हो सकते हैं लेकिन मोक्ष मार्ग का देवता केवल अरिहंत हैं। जो रागी, द्वेषी , मोही नहीं है वही सिद्धत्व को प्राप्त करता है। श्रद्धा आत्मा की परिणति है और श्रद्धा रखते समय 18 दोषों पर ध्यान जरूर रखना चाहिए । जब तक वीतरागिता है तो हमें उसे भगवान मानते हैं। इस बात का ध्यान रखना कि किसी भी मूर्ति या पत्थर को भगवान नहीं मानना चाहिए। क्योंकि जैन दर्शन किसी से भी मोह नहीं करता। यदि भगवान की प्रतिमा खंडित हो गई है तो उसे विसर्जित कर देना चाहिए। अर्थात जिसमें वीतरागिता नहीं है उस देवता को ,उस प्रतिमा को कभी भी भगवान मानकर नमन नहीं करना चाहिए ।

आदिवासी क्षेत्रों में आवागमन सुविधाओं की जरूरत स्वयं के वाहनों से होता है आना जाना

तेंदूखेड़ा ।

आवागमन विकास में सहायक होता है। जहां जितना सुगम आवागमन होता है वह क्षेत्र उतना ही विकास करता है। लेकिन इसी आवागमन की समस्या को लेकर आदिवासी बाहुल्य ग्राम विकास की मुख्य धारा से नहीं जुड़ पा रहा है। यहां के लोग पहले कच्चे कीचड़ युक्त दुर्गम मार्ग से पैदल आना जाना किया करते थे।समय की रफ्तारन के हिसाब से फिर पक्का सड़क मार्ग बन तो गया लेकिन आवागमन यात्री वाहनों की इस मार्ग पर आज भी चलन नहीं है।जिस कारण से यहां के लोग या तो स्वयं के बाहनों से आवागमन किया करते हैं।या फिर मजबूरीबश माल बाहक वाहनों में भेड़ बकरी की तरह क्षमता से अधिक जान जोखिम में डालकर आना जाना किया करते हैं। इतना ही स्कूली छात्र छात्राओं को हायर सेकंडरी और उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए या तो पैदल आना जाना किया करते हैं या फिर मोटरसाइकिलों से लिफ्ट लेकर आते जाते हैं।

आवागमन और चिकित्सा के क्षेत्र में वंचित है क्षेत्र

तीन जिलों सागर रायसेन और नरसिंहपुर जिले की सीमा से लगे ग्राम मर्रावन इमलिया खकरैडी ब्रह्मनी मौआखेडा और स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महती भूमिका निभाने वाले ग्राम ढिलवार आने जाने के लिए कोई भी यात्री बस सेवा उपलब्ध नहीं है।आजादी के बाद पांच दशकों तक यह क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से दूर ही रहा। पूर्व में यहां पर एक आयुर्वेदिक औषधालय तो खोला गया था लेकिन किन्हीं कारणों बस आज तक बंद पड़ा हुआ है। यहां के लोगों को आज भी मरीजों को लेकर तेंदूखेड़ा इलाज कराने आने पड़ता है।या फिर नीम हकीम अपनी दुकान चलाते हैं। मरीजो को मोटरसाइकिल से या फिर तेंदूखेड़ा से बाहन बुलाकर इलाज कराने के लिए ले जाना पड़ता है। यहां पर यात्री वाहनों की दरकार है। मप्र सरकार द्वारा फिर से सड़क परिवहन सेवा शुरू करने जा रही है। इस आदिवासी बाहुल्य ग्रामों को जोड़ने के लिए प्राथमिक मिले।

बिल्थारी ग्राम भी आवागमन सुविधा से दूर

शासन ने पिछले दस सालों में पहुंच विहीन गांवों को मुख्य सड़क मार्गों से जोड़ा है चाहे प्रधानमंत्री सड़क मार्ग हो या फिर अन्य मदों से सड़कों का निर्माण लेकिन आवागमन की व्यवस्था अभी तक मुहैया ना हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है। पुण्य सलिला मां नर्मदा के किनारे बसे ग्राम बिल्थारी आवागमन की दृष्टि से बाहनों की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यहां पर भामा तरफ से होकर या फिर डोभी तरफ से जाने के लिए पक्के सड़क मार्ग तो बन गये हैं लेकिन यात्री वाहनों की बेहद कमी है।

यात्री बसों का प्रचलन शुरू हो

ग्राम पंचायत मर्रावन की आदिवासी महिला सरपंच श्रीमती संजो बाई का कहना है कि हमारा क्षेत्र आवागमन की दृष्टि से काफी उपेक्षित है यहां पर यात्री टाइमिंग बसों का प्रचलन शुरू होना चाहिए। यात्री वाहनों को चलने से लोगों को जहां सुविधा होगी वहीं स्कूली बच्चों को भी आवागमन में सुविधा होगी।

अच्छी आय प्राप्त होगी

ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले जनपद सदस्य प्रतिनिधि सुग्रीव ठाकुर का कहना है कि यहां पर यात्री वाहनों की व्यवस्था होने से राजस्व की अच्छी प्राप्ति होगी।माल बाहक वाहनों द्वारा मनमाफिक किराया लिया जाता है। और बाहनों में क्षमता से अधिक लोगों को भरा जाता है। चूंकि आवागमन लोगों की मजबूरी है इसलिए आना जाना करना पड़ता है।

आदिवासी क्षेत्र ही वंचित क्यों

मर्रावन ग्राम पंचायत के उपसरपंच नन्हेलाल अरमू का कहना है कि हमारा आदिवासी क्षेत्र ही आवागमन की सुविधा से वंचित है। इमलिया से बड़ी संख्या मजदूर माल बाहक वाहनों में भरकर सुबह जाते और वापस लौट कर आते भी हैं। यहां पर यात्री वाहनों की व्यवस्था होनी चाहिए।

शंकराचार्यजी का धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाया प्राकट्योत्सव

गोटेगांव। समीप धार्मिक स्थल परमहँसी गंगा आश्रम झोतेश्वर अनंत श्री विभूषित उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का 56वां प्राकट्योत्सव शंकराचार्य नेत्रालय एवं शंकराचार्य बाल विद्या निकेतन विद्यालय व गुरु शिष्य मंडल, गुरु भक्तजनों द्वारा जगह-जगह विविध धार्मिक आयोजन कर धूमधाम हर्षउल्लास के साथ मनाया गया, सर्वप्रथम शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वतीजी की पादुका पूजन-अर्चन दंडी स्वामी राघवनानाद तीर्थ सरस्वती ब्रम्हचारी अचलानंदजी आचार्य दीपक शुक्ला द्वारा की साथ ही जगतगुरूकुलं के विद्यार्थियों के द्वारा स्वतिवाचन किया तत्पश्चात भगवती राजराजेश्वरी माता